

Semester 12

Quarter 2

Theme	IPRs
Activity Name	INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AWARENESS PROGRAMME
Mode of Conduct	Online
Mandatory/Elective/Self Driven	Self-Driven
Time	Date: 9 th March, 2022 Time: 2:00 PM
Participants	<p>Facebook Link: Register for the workshop: https://forms.gle/xT646JSNbKH2a7Hf7</p> <p>Joining link: https://thepatentoffice.webex.com/thepatentoffice/j.php?MTID=md204ec4ddb444add3a374dae677c6e67 Meeting number: 2510 923 6913 Password: JCm7psqWD22 Join by video system Dial 25109236913@thepatentoffice.webex.com Join by phone +65-6703-6949 Singapore Toll Access code: 251 092 36913 Participants: 437</p>
Description	<p>The IPR awareness programme was jointly organized by Intellectual Property Rights Cell Institution's Innovation Council Central University of Punjab, Bathinda and Office of the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce & Industry, Government of India Under National IP Awareness Mission (NIPAM) and Azaadi ka Marit Mahotsav</p> <p>Resource Persons:</p> <p>Ms. Nekita Kumari, Examiner of Patents and Designs B. Tech in Electronic and communication engineering from Govt. Engineering College, Ajmer. Joined O/o CGPDTM on 08/04/2016 after qualifying the 3 stage. Examination</p>

	<p>held by NPC(National Productivity Council) in 2015.</p> <p>Ms. Gaurav Kumar Tomar, Examiner of Patents and Designs</p> <p>B.Tech from LPU University. Had worked with Prasar Bharti For a year.</p>
--	--

ਪੰਜਾਬ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਖੇ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਆਯੋਜਿਤ

ਪ੍ਰਾਈਮ ਊਏ

ਬਠਿੰਡਾ 11 ਮਾਰਚ (ਐਗਰੇਜ ਸਿੰਘ ਵਿੱਕੀ/ਬਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਕੰਟਗੁਰੂ) ਪੰਜਾਬ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਬਠਿੰਡਾ ਦੇ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰ ਸੈੱਲ ਅਤੇ ਇੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨਜ਼ ਇਨੋਵੇਸ਼ਨ ਕੌਂਸਲ ਵੱਲੋਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਆਫ਼ਿਸ ਓਫ਼ ਦੀ ਕੰਟਰੋਲਰ ਜਨਰਲ ਓਫ਼ ਪੇਟੈਂਟਸ, ਡਿਜ਼ਾਈਨ ਅਤੇ ਟਰੇਡਮਾਰਕ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਇੱਕ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਪੇਟੈਂਟਸ ਅਤੇ ਡਿਜ਼ਾਈਨ ਦੇ ਪਰੀਖਿਅਕ ਸ੍ਰੀ ਗੋਰਵ ਕੁਮਾਰ ਤੋਮਰ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਨਿਕਿਤਾ ਕੁਮਾਰੀ ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰੇ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਸਮੇਤ ਲਗਭਗ 437 ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਲਈ ਰਜਿਸਟਰ ਕੀਤਾ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਗੋਰਵ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਬੌਧਿਕ ਰਚਨਾ ਦੇ ਸੰਦਰਭ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਅਧਿਕਾਰ ਨੂੰ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰ (ਆਈਪੀਆਰ) ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਉਹ ਆਪਣੀ ਖਾਸ ਵਪਾਰਕ ਲਾਭ ਲਈ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ



ਵਿਅਕਤੀ ਇੱਕ ਵਸਤੂ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪੇਟੈਂਟ, ਡਿਜ਼ਾਈਨ, ਟ੍ਰੇਡਮਾਰਕ, ਕਾਪੀਰਾਈਟ, ਐਸਆਈਸੀਐਲ ਡਿਜ਼ਾਈਨ ਲਈ ਅਰਜ਼ੀ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਹਨਾਂ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕਾਪੀਰਾਈਟ ਐਕਟ 1957, ਪੇਟੈਂਟ ਐਕਟ 1970, ਟ੍ਰੇਡਮਾਰਕ ਐਕਟ 1999, ਗੁਡਸ (ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ) ਐਕਟ 1999 ਅਤੇ ਡਿਜ਼ਾਈਨ ਐਕਟ 2000 ਵਰਗੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਐਕਟਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਚੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਨਵੀਨਤਾ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਉਪਯੋਗ ਦੇ ਸਮਰੱਥ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਪੇਟੈਂਟ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਮਿਲਣ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਦੂਜੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਨਿਕਿਤਾ ਕੁਮਾਰੀ ਨੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕਿਸਮਾਂ ਦੇ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਲਈ ਮਾਪਦੰਡ ਅਤੇ ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ

ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ 'ਤੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਆਈਪੀਆਰ ਖੇਤਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿੱਚ ਇਸਦੀ ਵੱਖਰੀ ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਬੌਧਿਕ ਸੰਪੱਤੀ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਰਸਾਲੇ/ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਇਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਬੰਧਤ ਰਜਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੀ ਬੌਧਿਕ ਜਾਇਦਾਦ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਵਿੱਚ ਡਾ. ਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਨੇ ਆਏ ਹੋਏ ਮਹਿਮਾਨਾਂ ਦਾ ਸੁਆਗਤ ਕੀਤਾ। ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤੀ ਖੇਤਰਪਾਲ ਨੇ ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰਿਆਂ ਦੀ ਜਾਣ ਪਛਾਣ ਕਰਵਾਈ। ਅੰਤ ਵਿੱਚ ਆਈਕਿਊਏਸੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਸ਼ਾ ਧੀਮਾਨ ਨੇ ਸਮਾਪਤੀ ਭਾਸ਼ਣ ਦਿੱਤਾ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਸਫਲ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

'नवीन आविष्कार युक्त उत्पादों पर पेटेंट अनुदान मिलने की संभावना अधिक'

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जगरूकता: पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा (सीयूपीबी) के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ तथा इंस्टीट्यूट्स इनोवेशन काउंसिल द्वारा भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और औद्योगिक व्यापार विभाग द्वारा संचालित पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिन्ह महानियंत्रक कार्यालय के सहयोग से एक बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक गौरव कुमार तोमर और निकिता कुमारी मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों सहित लगभग 437 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया।

प्रथम सत्र में गौरव कुमार ने कहा कि किसी व्यक्ति को उनके बौद्धिक सृजन के परिपेक्ष्य में प्रदान किए जाने वाले अधिकार को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कहा जाता है, जिसके अंतर्गत वह एक निश्चित अवधि तक अपने विशेष व्यावसायिक उपयोग के लिए बौद्धिक संपदा का प्रयोग कर सकते हैं। व्यक्ति एक ही उत्पाद के लिए पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, एसआईएसएल डिजाइन जैसे विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने इन बौद्धिक



पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारत सरकार के पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिन्ह महानियंत्रक कार्यालय की ओर बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद वक्ता ●शिवशक्ति

संपदा अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए जारी कॉपीराइट अधिनियम 1957, पेटेंट अधिनियम 1970, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रेशन और संरक्षण) अधिनियम 1999, डिजाइन अधिनियम 2000 सरोखे विभिन्न अधिनियमों के बारे में भी बात की। उन्होंने पेटेंट अनुदान की प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न चरणों जैसे पेटेंट आवेदन जमा करना, पेटेंट आवेदन प्रकाशन, आईपीओ द्वारा परीक्षा, कार्यालय कार्यवाई और पेटेंट अनुदान के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नवीन आविष्कार से युक्त और औद्योगिक अनुप्रयोग में सक्षम

उत्पादों पर पेटेंट अनुदान प्राप्त करने की अधिक संभावना होती है।

द्वितीय सत्र में निकिता कुमारी ने विभिन्न प्रकार के बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के लिए मानदंड और पंजीकरण प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया। राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से 'आईपी निर्माण, विकास और प्रबंधन' की रणनीतियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ज्यादातर बौद्धिक सम्पदा अधिकार क्षेत्रीय होते हैं और अधिकांश देशों में उनके अलग पंजीकरण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा ट्रेडमार्क अनुपम होना चाहिए और प्रतिस्पर्धियों के समान ध्रामक नहीं होना चाहिए। उन्होंने

इस बात पर बल दिया कि बौद्धिक सम्पदा के सृजनकर्ता (क्रेटर) को किसी भी पत्रिका/प्रकाशन में इसे प्रकाशित करने से पहले इससे संबंधित पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करके अपनी बौद्धिक सम्पदा को सुरक्षित कर लेना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में डा. रमनप्रोत कौर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके बाद डा. प्रीति खेत्रपाल ने विशिष्ट वक्ताओं का परिचय दिया। अंत में आईएनएस निदेशक प्रो. मोनिशा धीमान ने समापन उद्बोधन दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पेटेंट डिजाइन व व्यापार चिह्न महानियंत्रक के कार्यालय ने बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम कराया

बटिंडा। सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ पंजाब के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ तथा इन्स्टीट्यूट्स इनोवेशन काउंसिल द्वारा भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा संचालित पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक के कार्यालय के सहयोग से एक बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक गौरव कुमार तोमर और निकिता कुमारी मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों सहित लगभग 437 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया। पहले सेशन में गौरव कुमार ने कहा कि किसी व्यक्ति को उनके बौद्धिक सृजन के परिप्रेक्ष्य में प्रदान किये जाने वाले



अधिकार को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कहा जाता है, जिसके अंतर्गत वह एक निश्चित अवधि तक अपने विशेष व्यावसायिक उपयोग के लिए बौद्धिक संपदा का प्रयोग कर सकते हैं। दूसरे सेशन में निकिता कुमारी ने विभिन्न प्रकार के बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के लिए मानदंड और पंजीकरण प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि एक अच्छा ट्रेडमार्क अनुपम होना चाहिए और प्रतिस्पर्धियों के समान भ्रामक

नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बौद्धिक सम्पदा के सृजनकर्ता (क्यूरेटर) को किसी भी पत्रिका/प्रकाशन में इसे प्रकाशित करने से पहले इससे संबंधित पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करके अपनी बौद्धिक सम्पदा को सुरक्षित कर लेना चाहिए। डॉ. रमनप्रीत कौर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. प्रीति खेत्रपाल ने विशिष्ट वक्ताओं का परिचय दिया। आईक्यूएसी निदेशक प्रो. मोनिशा धीमान ने सभी का आभार जताया।



Flyer:





Government of India

Ministry of Commerce & Industry

Department for Promotion of Industry and Internal Trade

Office of the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

In Collaboration with



Intellectual Property Rights Cell

Institution's Innovation Council

Central University of Punjab, Bathinda
(NAAC Accredited 'A' Grade University)



Invites you

INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AWARENESS PROGRAMME

(Under National IP Awareness Mission (NIPAM))

On 9th March, 2022 at 2:00 PM



Register for the workshop: <https://forms.gle/xT646JSNbKH2a7Hf7>

There is no registration fees

Brief of program –

- Basics of all intellectual properties, Protection of different IPRs, procedure of filing and processing of different IP application shall be discussed.
- Career opportunities in the field of IPR in government and private sector

Who can register: Students, scholars, staff and faculty of central University of Punjab.

E-certificates shall be given to registered participants who are present during the event

The VC link is below:

<https://thepatentoffice.webex.com/thepatentoffice/j.php?MTID=md204ec4ddb444add3a374dae677c6e67>

Meeting number: **2510 923 6913**

Password: JCm7psqWD22

Join by video system

Dial **25109236913@thepatentoffice.webex.com**

Join by phone

+65-6703-6949 Singapore Toll

Access code: **251 092 36913**

Resource Persons:

Ms. Nekita Kumari, Examiner of Patents and Designs

B. Tech in Electronic and communication engineering from Govt. Engineering College, Ajmer. Joined O/o CGPDTM on 08/04/2016 after qualifying the 3 stage. Examination held by NPC(National Productivity Council) in 2015.

Ms. Gaurav Kumar Tomar, Examiner of Patents and Designs

B.Tech from LPU University. Had worked with Prasar Bharti For a year.

Programme Schedule:

2:00 PM -2:05 PM	Join the link
2:05 PM - 2:07 PM	University Anthem
2:07PM - 2:10 PM	Welcome Address by Prof. Ramakrishna Wusirika, Dean Incharge-Academics Introduction of speakers
2:10 PM- 3:10 PM	"IPRs- Overview with emphasis on Patent" – Mr Gaurav Kumar Tomar
3:10 PM -3:50 PM	" Criterion and Registration Procedure for Design, Geographical Indications and Semiconductor Integrated Circuits Layout Design" – Ms. Nikita
3: 50 PM – 4:20 PM	"Requirements and Registration Procedure for Copyright and Trademark"- Ms. Nikita
4:20 PM -4:30 PM	Presidential Remarks by Hon'ble Vice Chancellor Prof Raghavendra P. Tiwari
4:30 PM	Quiz Vote of thanks by Prof Monisha Dhiman, Chairperson, IIC National Anthem

In case of query, you may contact at iprcell@cup.edu.in